Shrikant Verma

Twenty One Poems from *Magadh*

Translated by Rahul Soni

कशी में शव

तुमने देखी है कशी?
जहाँ, जिस रास्ते
जाता है शव –
उसी रास्ते
आता है शव!

शवों का क्या!
शव आएंगे,
शव जायेंगे –

पूछो तो, किसका है यह शव?
रोहिताश्व का?
नहीं, नहीं,
हर शव रोहिताश्व नहीं हो सकता

जो होगा
दूर से पहचाना जायेगा
दूर से नहीं, तो
पास से –
और अगर पास से भी नहीं,
तो वह
रोहिताश्व नहीं हो सकता
और अगर हो भी तो
क्या फर्क पड़ेगा?

मित्रों,
तुमने देखी है कशी,
जहाँ, जिस रास्ते
जाता है शव
उसी रास्ते
आता है शव!

तुमने सिर्फ यही तो किया –
रास्ता दिया
और पूछा –
किसका है यह शव?

जिस किसी का था,
और किसका नहीं था,
कोई फर्क पड़ा?

Corpses in Kashi

Have you seen Kashi?
Where corpses come and go
by the same road

And what of corpses?
Corpses will come
Corpses will go

Ask then, whose corpse is this?
Is it Rohitashva? No, no
all corpses cannot be Rohitashva

His corpse, you will recognize
from a distance
and if not from a distance

then from up close
and if not from up close
then it cannot be Rohitashva

And even if it is,
what difference
does it make?

Friends, you have seen Kashi
where corpses come and go
by the same road

and this is all you did –
made way and asked,
Whose corpse is this?

Whoever it was
whoever it was not
what difference did it make?

कोसाम्बी

पूछ रही है, वासवदत्ता
कोसाम्बी के
पहले
क्या था?

वासवदत्ता!

कोसाम्बी के पहले
केवल
कोसाम्बी थी

कोसाम्बी के बाद
केवल
कोसाम्बी है

कोसाम्बी के बदले
केवल
कोसाम्बी
मिल सकती है

कोसाम्बी का पता पूछती
वासवदत्ता
कोसाम्बी तक
पहुँच गयी है

Kosambi

Vasavdatta asks
What came before Kosambi?

Vasavdatta!

Before Kosambi
there was only Kosambi

After Kosambi
there is only Kosambi

The only alternative
to Kosambi is Kosambi

Searching for Kosambi
Vasavdatta
has found Kosambi

हस्तिनापुर

ज़रा सोचो
उस व्यक्ति के बारे में,
जो, हस्तिनापुर आता है
और कहता है
नहीं, नहीं, यह हस्तिनापुर नहीं हो सकता

ज़रा सोचो
उस व्यक्ति के बारे में,
जो, अकेला पड़ गया है –
कभी भी लड़ा गया हो महाभारत, क्या फर्क पड़ता है?

संभव हो,
तो सोचो
हस्तिनापुर के बारे में,
जिसके लिए
थोड़े-थोड़े अंतराल में,
लड़ा जा रहा है, महाभारत
और किसी को फर्क नहीं पड़ता
उस व्यक्ति को छोड़
जो आता है हस्तिनापुर
और कहता है,
नहीं, नहीं, यह हस्तिनापुर नहीं हो सकता

Hastinapur

Consider a person
who comes to Hastinapur
and says
No, no, this cannot be Hastinapur

Consider a person
left all alone
Why should he care about
when the Mahabharata was fought?

If you can,
consider Hastinapur
for which, ever so often,
a Mahabharata is fought
and no one cares

except that person
who comes to Hastinapur
and says
No, no, this cannot be Hastinapur

हस्तिनापुर का रिवाज

मैं फिर कहता हूँ
धर्म नहीं रहेगा, तो कुछ नहीं रहेगा –
मगर मेरी
कोई नहीं सुनता!
हस्तिनापुर में सुनने का रिवाज नहीं –

जो सुनते हैं
बहरे हैं या
अनसुनी करने के लिए
नियुक्त किये गए हैं

मैं फिर कहता हूँ
धर्म नहीं रहेगा, तो कुछ नहीं रहेगा –
मगर मेरी
कोई नहीं सुनता

तब सुनो या मत सुनो
हस्तिनापुर के निवासियों! होशियार!
हस्तिनापुर में
तुम्हारा एक शत्रु पल रहा है, विचार –
और याद रखो
आजकल महामारी की तरह फैल जाता है,
विचार

No One Listens in Hastinapur

I say again
without dharma, there can be nothing
but no one hears

No one listens in Hastinapur

Those who do are
either deaf or have been appointed
to turn a deaf ear

I say again
without dharma, there can be nothing
but no one hears

Listen or not, then, people of Hastinapur –

Beware!
An enemy breeds within your city:
thought

And remember
these days it spreads like plague:
thought

उज्जयिनी का रास्ता

उज्जयिनी जाने को इच्छुक यात्रियों से निवेदन है:
यह रास्ता उज्जयिनी को नहीं जाता
और यह कि यही रास्ता उज्जयिनी को जाता है

मैं कल तक रास्ता दिखा रहा था
यह कहकर कि
सावधान! यह रास्ता उज्जयिनी को जाता है
मैं आज भी रास्ता दिखा रहा हूँ
यह कहकर कि
सावधान! यह रास्ता उज्जयिनी को नहीं जाता

यात्रीगण!
सच तो यह है कि
हर रास्ता उज्जयिनी को जाता है
और यह
कि कोई रास्ता उज्जयिनी को नहीं जाता

उज्जयिनी
लगातार रास्ता जोहती है
उज्जयिनी
रास्तों से मुँह फेर चुकी है

तब फिर
जिन्हें उज्जयिनी जाना है, कहाँ जाएँ?
वे उज्जयिनी जाएँ
और कहें
यह उज्जयिनी नहीं
क्योंकि हम
उन रास्तों से नहीं आये
जो उज्जयिनी जाते हैं
या उज्जयिनी नहीं जाते

The Road to Ujjaini

An announcement for those
who wish to go to Ujjaini:
This road does not lead to Ujjaini
Then again, this road leads to Ujjaini

Till yesterday I'd show the way, saying
Beware! This road leads to Ujjaini

I show the way today as well, saying
Beware! This road does not lead to Ujjaini

Travelers! The truth is that
all roads lead to Ujjaini
and that
no road leads to Ujjaini

Ujjaini
forever looks to the road, waiting
Ujjaini
has turned away from roads

Then where should those
who wish to go to Ujjaini, go?
They should go to Ujjaini
and say –

This is not Ujjaini because
we did not arrive here
on the roads that lead to Ujjaini
or the roads that do not lead to Ujjaini

अवन्ती में अनाम

क्या इससे कुछ फर्क पड़ेगा
अगर मैं कहूं
मैं मगध का नहीं
अवन्ती का हूँ?

अवश्य पड़ेगा
तुम अवन्ती के मान लिए जाओगे
मगध को भुलाना पड़ेगा

और तुम
मगध को भुला नहीं पाओगे
जीवन अवन्ती में बिताओगे
तब भी तुम
अवन्ती को जान नहीं पाओगे

तब तुम दुहराओगे
मैं अवन्ती का नहीं
मगध का हूँ
और कोई नहीं मानेगा
बिलबिलाओगे –
"मैं सच कहता हूँ
मगध का हूँ
मैं अवन्ती का नहीं"
और कोई फर्क नहीं पड़ेगा

मगध के
माने नहीं जाओगे
अवन्ती में
पहचाने नहीं जाओगे

Nameless in Avanti

Will it make a difference if I say
I am not from Magadh
I belong to Avanti?

Of course it will
You will be taken to belong to Avanti
You will have to forget Magadh

But
you will not be able to forget Magadh
and you will live your life in Avanti
without knowing Avanti

Then you will say
I am not from Avanti
I belong to Magadh
but no one will believe you

You will whine, “It’s true
I belong to Magadh
I am not from Avanti”
and it will make no difference

No one will believe you belong
to Magadh
No one will recognize you
in Avanti

किंवदंती

महोदय
सुनते जाएँ
हम और आप
जिस पाटलिपुत्र के लिए लड़ रहे हैं
औरों की दृष्टि में
वह एक किंवदंती है

सुना आपने?

इस लायक भी नहीं
कि वह उस पर अधिक देर टिकें
पूछते हैं, वे,
कौन-सा पाटलिपुत्र?

महोदय! अब आप ही दीजिये
जवाब,
समझाइये –
यह वह पाटलिपुत्र है,
जिसके लिए
लड़ रहे हैं
अजातशत्रु, बिम्बिसार,
चन्द्रगुप्त,
हम और आप
समझाया आपने?

महोदय,
सुनी उनकी टिपण्णी?
"मूर्ख
एक किंवदंती के लिए लड़ रहे हैं"

Fiction

Before you go, sir, hear me out

The Patliputra you and I are fighting for
is, in the eyes of others, a fiction

Do you hear?

They do not even think it worth
a moment's thought
What Patliputra, they ask

You have to answer them
sir, make them understand
that this is the same Patliputra
for which Ajatashatru, Bimbisara,
Chandragupta, you and I
are fighting

Did you tell them?

Did you hear their retort?
"Fools!
Fighting for a fiction"

नालंदा

मैं तो तक्षशिला जा रहा हूँ,
तुम
कहाँ जा रहे हो?

नालंदा

नहीं,
यह रास्ता
नालंदा नहीं जाता,
कभी
जाता था
नालंदा,
अब नहीं

नालंदा ने
अपना
रास्ता बदल दिया है
अब इस
रास्ते से
नालंदा नहीं
तक्षशिला
पहुंचोगे तुम
चलना है, तक्षशिला?

नालंदा जाने वाले मित्रों,
प्रायः
यही होता है,
बताये गए
रास्ते
वहां नहीं जाते
जहाँ
हम पहुंचना चाहते हैं –
जैसे
नालंदा

Nalanda

I am going
to Takshashila

Where are you going?
To Nalanda

But this road does not lead
to Nalanda

It used to once, but not anymore
The road to Nalanda has changed
Now this road will take you

to Takshashila
not Nalanda

Do you want to go
to Takshashila?

People going to Nalanda, often
the roads that you are shown do not
take you where you want to go –

like Nalanda

मथुरा का विलाप

सुन रहे हो मथुरा का विलाप?

यही होता है –

मथुरा के न रहने पर
मथुरा विलापती है
मथुरा! मथुरा!

मथुरा सिर्फ एक उदहारण है –
अवन्ती को लो
गौर से सुनो –

सुना तुमने?
रह-रहकर टीसता है
अवन्ती! अवन्ती!

मैने कहा न –
मथुरा के न रहने पर मथुरा
अवन्ती के न रहने पर अवन्ती
विलापते हैं लोग!

संभव है लोगों को
रोने की आदत पड़ गयी है
नगरों के स्मृतिशेष होने पर

मगर –
मथुरा और अवन्ती
स्मृतियाँ नहीं हैं

और अगर हों भी,
क्या कोई मानेगा
मथुरा और अवन्ती
केवल स्मृतियाँ हैं

Mathura's Cry

Can you hear Mathura's cry?

This is what happens
when Mathura is no more
Mathura cries,
Mathura! Mathura!

Nor is Mathura alone
Take Avanti –
listen carefully
Do you hear?

Every now and then,
Avanti! Avanti!

It is like I said

When Mathura is no more
when Avanti is no more
people cry,
Mathura! Avanti!

Maybe it has become
their habit
to cry when cities
turn into memories

But Mathura and Avanti
are not memories

And even if they are
will anyone believe
that Mathura and Avanti
are just memories?

कोसल गणराज्य

कोसल मेरी कल्पना में एक गणराज्य है
कोसल में प्रजा सुखी नहीं
क्योंकि कोसल सिर्फ कल्पना में गणराज्य है

नागरिक
दिनभर जुआ खेलते हैं
जो जुआ नहीं खेलते
ऊंघते हैं

नागरिक दिनभर किस्से गढ़ते हैं
जो किस्से नहीं गढ़ते
ऊंघते हैं

नागरिक
दिनभर खीजते हैं
जो खीजते नहीं
ऊंघते हैं

नागरिक
कोसल के अतीत पर
पुलकित होते हैं
जो पुलकित नहीं होते
ऊंघते हैं

कोसल मेरी कल्पना में गणराज्य है

The Republic of Kosal

Kosal is a republic in my imagination
The people of Kosal are unhappy
because Kosal is a republic only in the imagination

All day, the citizens gamble
Those who do not gamble
sleep

All day, the citizens tell stories
Those who do not tell stories
sleep

All day, the citizens are peevish
Those who are not peevish
sleep

The citizens rejoice in Kosal's past
Those who do not rejoice
sleep

Kosal is a republic in my imagination

कोसल में विचारों की कमी है

महाराज बधाई हो! महाराज की जय हो!
युद्ध नहीं हुआ –
लौट गए शत्रु

वैसे हमारी तैयारी पूरी थी!
चार अक्षौहिणी थीं सेनाएं,
दस सहस्त्र अश्व,
लगभग इतने ही हाथी

कोई कसार न थी!

युद्ध होता भी तो
नतीजा यही होता

न उनके पास अस्त्र थे,
न अश्व,
न हाथी,
युद्ध हो भी कैसे सकता था?
निहत्थे थे वे

उनमें से हरेक अकेला था
और हरेक यह कहता था
प्रत्येक अकेला होता है!

जो भी हो,
जय यह आपकी है!
बधाई हो!
राजसूय पूरा हुआ,
आप चक्रवर्ती हुए –

वे सिर्फ कुछ प्रश्न छोड़ गए हैं
जैसे की यह –

कोसल अधिक दिन नहीं टिक सकता,
कोसल में विचारों की कमी है!

Lack of Thought in Kosal

Congratulations Maharaj
Victory is yours
There was no war
Our enemies went back

Our preparations, though,
were thorough

A four-akshauhini army
ten thousand horses
as many elephants
No half measures

Even if there had been a war
the outcome
would have been the same

They had no weapons
no horses, no elephants
How could they have fought?
They were unarmed

Each one of them was alone
Each one of them was saying
Everyone is alone

Still, victory is yours,
Congratulations Maharaj
the Rajasuya is done
you have become
Chakravarti

Only, they have left behind
misgivings
For instance –

Kosal cannot last much longer
There is lack of thought in Kosal

अम्बपाली

सोयी पड़ी है, वैशाली
जाग रही है
सिर्फ,
अम्बपाली

अँधेरा है
किसी और दुनिया में
क्रमशः
होता हुआ
सवेरा है

नक्षत्र झरते हैं

वैशाली में लोग
पड़ा होते हैं
मरते हैं

सोयी है वैशाली
या
मर गयी है
अम्बपाली
सपने में
डर गयी है

डरो मत अम्बपाली!

Ambapali

Vaishali sleeps
Only Ambapali is awake

It is dark

In some other world
morning comes slowly

Stars fall

In Vaishali
people are born, people die

Vaishali sleeps
Or has it died?

Ambapali is frightened
by her dream

Don't be frightened, Ambapali!

अश्वारोही

अश्वारोही
जो कलिंग को जाता
क्या वह कलिंग से वैसा का वैसा आता है?

क्या कहते हैं, लोग –
विजयी
        या हत्यारा?
क्या स्वागत
करती हैं
        वधुएँ
या
फिरता है मारा-मारा?

क्या होता है?

अश्वारोही
यह रास्ता किधर जाता है?

Horseman

Is a horseman who goes to Kalinga
the same when he returns?

What do people call him,
victor or murderer?

Is he welcomed by courtesans
or does he wander aimless?

What happens?

Horseman, where
does this road lead?

हवन

चाहता तो बच सकता था
मगर कैसे बच सकता था
जो बचेगा
कैसे रचेगा

पहले मैं झुलसा
फिर धधका
चिटखने लगा

कराह सकता था
मगर कैसे कराह सकता था
जो कराहेगा
कैसे निबाहेगा

न यह शहादत थी
न यह उत्सर्ग था
न यह आत्मपीड़न था
न यह सजा थी

तब
क्या था यह

किसी के मत्थे मढ़ सकता था
मगर कैसे मढ़ सकता था
जो मढ़ेगा कैसे गढ़ेगा

Havan

I could have saved myself
but how could I?
Those who save themselves
cannot create

I simmered, then blazed
I began to crack

I could have cried
but how could I?
Those who cry
cannot endure

It was not self-sacrifice
It was not self-abuse
Not resignation, not castigation
What was it then?

I could have blamed someone else
but how could I?
Those who blame
cannot create

धर्मयुद्ध

कैसे संभव है
दोनों ओर मृतकों की संख्या सामान हो

कैसे संभव है
एक की पताका गिरे
तो दूसरे की गिरे
एक पक्ष में
जितनी विधवाएं हों
दूसरी में
सधवाएं
उनसे अधिक न हों

कैसे संभव है
एक राजधानी में जितना विलाप हो
दूसरी में
उतना ही
संताप हो

दोनों ओर
पश्चात्ताप हो
दोनों ओर
धर्म हो
दोनों ओर
शर्म हो
दोनों पक्ष
रख दें हथियार
दोनों विजेता हों

मैं कहता हूँ
संभव नहीं है

एकतरफा होती है हत्या
एकतरफा जय

एकतरफा दर्प
एकतरफा भय

एकतरफा विधवाएं
एकतरफा सधवाएं

एकतरफा होता है विलाप
एकतरफा संताप

Dharma, War

How is it possible

for the number of dead
to be the same on both sides

How is it possible

for the flag to fall on both sides

for the widows on one side to outnumber
the unwidowed on the other

How is it possible

for the sorrow on one side to equal
the mourning on the other

How is it possible

that there be repentance
that there be shame
that there be dharma
on both sides

That both lay down their arms
that both be victorious

I say
it is not possible

One-sided the murders
the victory, one-sided

One-sided the arrogance
the fear, one-sided

One-sided the widows
the unwidowed, one-sided

One-sided the sorrow
the laments, one-sided

One-sided the joy
the repentance, one-sided

One-sided the shame
the dharma, one-sided

The number of dead on both sides
is not the same

एकतरफा हर्ष
एकतरफा पश्चात्ताप

एकतरफा होता है धर्म
एकतरफा शर्म

दोनों ओर मृतकों की संख्या
सामान नहीं होती

गंतव्य: चम्पा

हमें सिर्फ चम्पा तक जाना है

यह रास्ता सिर्फ चम्पा तक जाता है
जिन्हें और कहीं जाना है
और किन्ही रास्तों से जाएँ
हम चम्पा जाने वालों को
यह कह कर न भटकायें –
क्या यह रास्ता चम्पा तक जाता है?

जिन्हें चम्पा जाना है
उन्हें कुछ पूछने का अधिकार नहीं –
न यह कि चम्पा कहाँ है?
न यह कि चम्पा कहाँ नहीं है?
न यह कि क्या चम्पा है?
न यह कि क्या यह सही है
कि चम्पा थी, चम्पा नहीं है?

हमें सिर्फ चम्पा तक जाना है

Destination Champa

We have to go only to Champa

This road goes only to Champa
Those who want to go elsewhere
should go by other roads
They should not confuse us by asking,
Does this road go to Champa?

Those who want to go to Champa
Don't have the right
To ask anything

Not: Where is Champa?
Not: Where isn't Champa?
Not: What is Champa?

Not: Is it true
that Champa was
and is no more?

We have to go only to Champa

कन्नौज जानेवालों की गिनती

भाइयों और बहिनों, तुम कहाँ जा रहे हो?
हम सभी
कन्नौज जा रहे हैं,
क्योंकि सभी
कन्नौज जा रहे हैं

जो कहीं नहीं जाते,
कन्नौज जा रहे हैं,
जो कहीं-कहीं जाते
हैं, कन्नौज जा रहे हैं,

जिन्हें प्रेम है कन्नौज से
कन्नौज जा रहे हैं,
जिन्हें द्वेष है कन्नौज से
कन्नौज जा रहे हैं

जो कन्नौज के विषय में
कुछ नहीं जानते
कन्नौज जा रहे हैं,
जो कन्नौज के विषय में
सब कुछ जानते हैं,
कन्नौज जा रहे हैं,

कौन है जो, कन्नौज नहीं जा रहा है?

People Going to Kannauj

Brothers and sisters,
where are you going?

We are all going to Kannauj
because everyone
is going to Kannauj –

those going nowhere
those going here and there

those who love Kannauj
those who hate Kannauj

those who know nothing
about Kannauj

those who know everything
about Kannauj

Who isn't going to Kannauj?

पाटलिपुत्र

माथे पर रक्त का टीका है
राज्याभिषेक का
यही तरीका है

किसका है यह रक्त?
उसका तो नहीं जो मगध की
आँखों का
तारा है?

किसी का हो
रक्त
क्या
फर्क
पड़ता है?
तारा भी तो
कभी-कभी
आँखों
में
पड़ता है

मौर्य अपशकुन नहीं
देखते
मौर्यों को
विजय से
वास्ता है

तक्षशिला और नालंदा के बीच
मौर्य
हैं
और
रास्ता है

पताका
फहरा
रही
है

दोष
सिर्फ
मौर्यों
का
नहीं

Patliputra

This is the way
the coronation is done –
with a tika of blood
upon the forehead

Whose blood is it?
Not his who is
the star of Magadh's eye?

Whose blood is it?
It does not matter
Even a star can, sometimes,
pierce the eye

The Mauryas do not care
for ill omens, they care
for victory

Between Takshashila and Nalanda
there are the Mauryas
and there is the road

The flag flutters

It is not just the Mauryas
who are to blame

Even before
the pundits have said –

The night deepens
in Patliputra

पहले भी तो
पंडितों ने
कहा है –

पाटलिपुत्र में
रात
गहरा
रही
है

कविता की सालगिरह

जो लिखा, व्यर्थ था
जो नहीं लिखा,
अनर्थ था

A Year of Poems

What I wrote –
useless

What I did not –
meaningless

शकटार

शकटार! शकटार!

शकटार नहीं है

शायद तक्षशिला कि ओर निकल गया है

शकटार! शकटार!

शकटार नहीं है

शायद मगध लौट गया है

शकटार! शकटार!

शकटार न मगध में हैं, न तक्षशिला में

शकटार तुम्हे कहीं नहीं मिलेगा

शकटार तभी आता है

जब चन्द्रगुप्त आता है!

हत्या करता है शकटार

चन्द्रगुप्त गले से लगाता है

कभी-कभी हत्या करता है चन्द्रगुप्त

शकटार गर्दन झुकता है

शकटार न मगध में है, न तक्षशिला में

Shaktar

Shaktar! Shaktar!

Shaktar isn't here, maybe
he has gone to Takshashila

Shaktar! Shaktar!

Shaktar isn't here, maybe
he has returned to Magadh

Shaktar! Shaktar!

Shaktar isn't in Magadh
he isn't in Takshashila

You will not find
Shaktar anywhere
Shaktar comes
when Chandragupta comes

Shaktar murders
Chandragupta embraces
Sometimes Chandragupta murders
Shaktar hangs his head

Shaktar isn't in Magadh
He isn't in Takshashila

वापसी

मैंने उसे इसी रास्ते से
जाते देखा था:

अकेला नहीं था वह,
सेना थी,
हाथी थे,
घोड़े थे,
रथ थे,
वाद्य थे –
तामझाम था

उन सबके बीच
एक घोड़े पर सवार
शांत
वह
इस तरह गुज़र रहा था,
जैसे बागडोर
उसके हाथ हो,
सब
केवल अनुगमन
कर रहे हों

बीस साल बाद
मैं उसे इसी रास्ते से
आते देख
रहा हूँ:

अकेला नहीं है वह,
सेना है,
हाथी हैं,
घोड़े हैं,
रथ हैं,
वाद्य हैं –
तामझाम है

उन सबके बीच
एक घोड़े पर सवार
शांत
वह
इस तरह गुज़र रहा है
जैसे बागडोर
किसी और के

Return

I saw him leave
by this very road

He was not alone – there was an army,
there were elephants, horses, chariots

There was music, pageantry
And him

in the midst of it all
on horseback, serene

As if he was in charge
and the rest, merely following

Twenty years later

I see him return
by this very road

He is not alone – there is an army
there are elephants, horses, chariots

There is music, pageantry
And him

in the midst of it all
on horseback, serene

As if someone else is in charge
and he, merely following

हाथ हो,
वह
केवल अनुगमन
कर रहा हो